

दिल्ली राजपत्र Delhi Gazette

असाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 88]	दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 14, 2015/आषाढ़ 23, 1937	[रा.रा.रा.क्षे.दि. सं. 62
No. 88]	DELHI, TUESDAY, JULY 14, 2015/ASHADHA 23, 1937	[N.C.T.D. No. 62

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

विधि, न्याय एवं विधायी कार्य विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 14 जुलाई, 2015

सं.फा.14(6)/एलए-2015/cons2law/117-126.— राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा के निम्नलिखित अधिनियम ने उप-राज्यपाल की सहमति दिनांक 10 जुलाई, 2015 को प्राप्त कर ली है और इसको जन साधारण की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है :-

“दिल्ली मूल्य संवर्धित कर (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2015

(2015 का दिल्ली अधिनियम 05)

(30 जून, 2015 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा द्वारा यथा पारित)

[10 जुलाई, 2015]

दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 को पुनः संशोधित करने के लिए एक अधिनियम ।

यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली विधानसभा द्वारा भारतीय गणराज्य के 66वें वर्ष में निम्न प्रकार अधिनियमित किया जाए :-

1. **संक्षिप्त शीर्षक, विस्तार एवं प्रारंभ.**—(i) इस अधिनियम को दिल्ली मूल्य संवर्धित कर (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2015 कहा जाएगा।

(ii) यह सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में विस्तारित होगा।

(iii) यह उस तिथि से प्रभावी होगा जो सरकार, सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करेगी :

बशर्ते कि इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के लिए विभिन्न तिथियां नियत की जा सकेंगी।

2. **धारा 4 का संशोधन.**—मूल अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (1) में, —

(i) खंड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(ग) चौथी अनुसूची में विनिर्दिष्ट सामान के विषय में उसमें समान विवरण के सामने उल्लिखित दरों पर :-

बशर्ते कि चौथी अनुसूची में विनिर्दिष्ट वस्तु पर कर की दर इस उपधारा के खंड (ड.) के अधीन लागू कर की दर से उंची होगी परंतु रुपए में तीस पैसे की दर से अधिक नहीं होगी;”

3. धारा 8 का संशोधन.—मूल अधिनियम की धारा 8 में, —

(i) धारा (1) में खंड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(ग) किसी मंजीकृत व्यापारी को की गई बिक्री के संदर्भ में टैक्स का इन्वायस जारी करने के पश्चात् क्रेडिट नोट के माध्यम से छूट या प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की स्थिति को छोड़कर, बिक्री की पूर्व सहमत राशि में प्राप्तकर्ता के साथ समझौते से किसी कारण से बदलाव किया जाता है;” तथा

(ii) उपधारा (2) में खण्ड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड सन्निविष्ट किया जायेगा, अर्थात् :-

“स्पष्टीकरण.—जहाँ उपरान्त छूट या प्रोत्साहन भर दिये गये क्रेडिट नोट स्वतंत्र कर घटक होगा तथा आउटपुट कर में किसी समायोजन की आवश्यकता नहीं होगी।”

4. धारा 10 का संशोधन.—मूल अधिनियम की धारा 10 में,—

(i) उप-धारा के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :-

“(1) धारा 8 की उपधारा (1) तथा (2) की शर्त पर जब किसी क्रेता को इस अधिनियम की धारा 51 के अनुसार क्रेडिट नोट या डेबिट नोट दिया गया है या यदि वह खरीदे गए सामान को वापिस या अस्वीकार कर देता है और परिणामस्वरूप उसने खरीदे गए सामान संबंधी किसी कर अवधि के लिए उसके दावा किए गए टैक्स क्रेडिट में क्यूंता या अधिकता आती है तो जिस कर अवधि में क्रेडिट नोट या डेबिट नोट प्रदान किया गया है या सामान लौटाया गया है वह उसे दिए गए कर क्रेडिट की राशि को समायोजित करके क्यूंता या अधिकता की प्रतिपूर्ति करेगा।

स्पष्टीकरण.—जहाँ धारा 8 की उप-धारा (1) तथा (2) के प्रावधान के अनुसार बिक्री उपरान्त छूट या प्रोत्साहन क्रेडिट नोट प्रदान करने समय विक्रेता व्यापारी द्वारा आउटपुट कर का समायोजन नहीं किया गया था तो संबंधित क्रेता मंजीकृत व्यापारी द्वारा इनपुट टैक्स क्रेडिट में घटोतरी का समायोजन नहीं किया जायेगा; तथा

(ii) उप-धारा (5) में आरंभिक शब्द “जहाँ” के स्थान पर “धारा 8 की उप-धारा (1) तथा (2) के अधीन तथा यथा विवक्षित शर्तें, जहाँ” शब्दों तथा निशान को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

5. धारा 22 का संशोधन.—मूल अधिनियम की धारा 22 में उप-धारा (7) को हटाया जाएगा।

6. धारा 38 का संशोधन.—मूल अधिनियम की धारा 38 में उप-धारा (5) में “पन्द्रह दिनों” शब्दों के स्थान पर “पैंतसीस दिनों” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

7. धारा 54 का संशोधन.—मूल अधिनियम की धारा 54 में आरंभिक शब्द “जहाँ” के स्थान पर “धारा 8 की उप-धारा (1) तथा (2) के अधीन, जहाँ” शब्दों तथा निशान को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

8. धारा 86 का संशोधन.—मूल अधिनियम की धारा 86 में—

(i) उप-धारा 5 में “पाँच सौ” शब्दों के स्थान पर “दो सौ” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जायेगा,

(ii) उप-धारा 6 के लिए निम्नलिखित उप-धारा प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :-

“(6) यदि मंजीकृत व्यापारी इस अधिनियम की धारा 22 की उप-धारा (2) के प्रावधानों का अनुपालन करने में असमर्थ रहता है तो उसे जुर्माने के रूप में अधिकतम पाँच हजार रुपए तक चुकता न किए जाने वाले प्रत्येक दिन के दो सौ रुपए के बराबर राशि का भुक्तान करना होगा।”

(iii) उप-धारा 7 में “जहाँ” शब्दों के स्थान पर “दो सौ” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जायेगा,

(iv) उप-धारा 16 में खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(ख) टैक्स इन्वायस या सिटेल इन्वायस जारी करने पर अपने खाता पुस्तकों में सही रूप में हिसाब नहीं रखता है; या

(ग) इस अधिनियम की धारा 50 के प्रावधानों के अंतर्गत यथापेक्षित टैक्स इन्वायस या सिटेल इन्वायस जारी नहीं करता है; तथा

(v) उप-धारा (20) में स्पष्टीकरण को हटाया जायेगा।

9. धारा 89 का संशोधन.—मूल अधिनियम की धारा 89 में, उपधारा (4) में खण्ड (ग) को हटाया जायेगा,

10. चौथी अनुसूची का संशोधन.—चौथी अनुसूची के लिए मूल अधिनियम में उसके साथ संलग्न चौथी अनुसूची के स्थान पर निम्न को प्रतिस्थापित किया जायेगा :-

चौथी अनुसूची
(धारा 4 देखें)

क्र. सं.	वस्तुएं	कर की दर
1.	लिविब्ड पेट्रोलियम गैस, पाइप्ड नैचुरल गैस, कम्प्रेस्ड नैचुरल गैस तथा केरोसिन के अलावा पेट्रोलियम उत्पाद जैसे - (i) नपथा ; (ii) एविएशन टरबाइन फ्यूल ; (iii) स्पीरिट ; (iv) गैसोलाइन ; (v) फरनेस ऑयल ; (vi) वैक्स (मोमबत्ती के निर्माण के लिए प्रयुक्त पेट्रोलियम वैक्स को छोड़कर) ; (vii) उपरोक्त उत्पादों के मिश्रण एवं कम्बिनेशन	रुपए में 20 पैसे
2.	शराब (विदेश एवं भारत में बनी विदेशी शराब)	रुपए में 20 पैसे
3.	देशी शराब	रुपए में 20 पैसे
4.	नारकोटिक्स (भाग)	रुपए में 20 पैसे
5.	सीरा	रुपए में 20 पैसे
6.	डिस्टिल्ड स्पीरिट	रुपए में 20 पैसे
7.	लॉटरी टिकट	रुपए में 20 पैसे
8.	ब्रेक फ्रलूड	रुपए में 20 पैसे
9.	संबाकू एवं गुटका, अनिर्मित तंबाकू, बीड़ी तथा हुक्का तंबाकू के निर्माण में प्रयुक्त बीड़ी तथा तंबाकू	रुपए में 20 पैसे
10.	वस्तुयुक्त पेय	रुपए में 20 पैसे
11.	पैंच हजार रुपए से ज्यादा लागत की घड़ियाँ	रुपए में 20 पैसे

विभाजन वेद, अधिविवरण, अधिविवरण, अधिविवरण एवं अधिविवरण कार्य)

DEPARTMENT OF LAW, JUSTICE AND LEGISLATIVE AFFAIRS NOTIFICATION

Delhi, the 14th July, 2015

No. F. 14(6)/LA-2015/ cons2law/ 117-126.—The following Act of the Legislative Assembly of the National Capital Territory of Delhi received the assent of the Lt. Governor of Delhi on the 10th July, 2015 and is hereby published for general information:—

"THE DELHI VALUE ADDED TAX (2nd AMENDMENT) ACT, 2015

(DELHI ACT 05 OF 2015)

(As passed by the Legislative Assembly of the National Capital Territory of Delhi on the 30th June, 2015)

[10th July, 2015]

An Act to further amend the Delhi Value Added Tax Act, 2004 (3 of 2005).

BE it enacted by the Legislative Assembly of the National Capital Territory of Delhi in the Sixty-sixth year of the Republic of India as follows:—

1. ~~Short title, extent and commencement.~~—(i) This Act may be called the Delhi Value Added Tax (Second Amendment) Act, 2015.

(ii) It extends to the whole of the National Capital Territory of Delhi.

(iii) It shall come into force on such date as the Government may, by notification in the Official Gazette, appoint:

Provided that different dates may be appointed for different provisions of this Act.

2. Amendment of section 4.—In the principal Act, in section 4, in sub-section (1), for clause (c), the following clause shall be substituted, namely:—

“(c) in respect of goods specified in the Fourth Schedule, at the rates specified therein against the description of goods :

Provided that the rate of tax in respect of goods specified in the Fourth Schedule shall be higher than the rate of tax applicable under clause (e) of this sub-section but shall not be more than thirty paise in the rupee;”.

3. Amendment of section 8.—In the principal Act, in section 8, —

- (i) in sub-section (1), for clause (c), the following clause shall be substituted, namely: —

“(c) the previously agreed consideration for that sale has been altered by agreement with the recipient for any reason except where a discount or incentive is offered through a credit note after issuance of tax invoice in respect of a sale to a registered dealer;” and

- (ii) in sub-section (2), after clause (b), the following explanation shall be inserted, namely: —

“Explanation : Credit notes issued on account of post sale discounts or incentives will be independent of tax component and no adjustments in the output tax would be required to be made.”.

4. Amendment of Section 10.—In the principal Act, in section 10,—

- (i) for sub-section (1), the following sub-section shall be substituted, namely: —

“(1) Subject to sub-sections (1) and (2) of section 8, where any purchaser has been issued with a credit note or debit note in terms of section 51 of this Act or if he returns or rejects goods purchased, as a consequence of which the tax credit claimed by him in any tax period in respect of which the purchase of goods relates, becomes short or excess, he shall compensate such short or excess by adjusting the amount of the tax credit allowed to him in respect of the tax period in which the credit note or debit note has been issued or goods are returned.

Explanation : While issuance of a credit note of a post sale discount or incentive by a selling dealer, where no adjustment to output tax, as per the provisions of sub-sections (1) and (2) of section 8 has been made, no adjustment for reduction of input tax credit would be required by the respective buying registered dealer.”; and

- (ii) in sub-section (5), for the starting word “Where”, the words and symbol “Subject to sub-sections (1) and (2) of section 8 and conditions as may be prescribed, where” shall be substituted.

5. Amendment of section 22.—In the principal Act, in section 22, sub-section (7) shall be omitted.

6. Amendment of section 38.—In the principal Act, in section 38, in sub-section (5), for the words “fifteen days”, the words “forty five days” shall be substituted.

7. Amendment of section 51.—In the principal Act, in section 51, for the starting word “Where”, the words and symbol “Subject to sub-sections (1) and (2) of section 8, where” shall be substituted.

8. Amendment of section 86.—In the principal Act, in section 86—

- (i) in sub-section (5), for the words “five hundred”, the words “two hundred” shall be substituted;

- (ii) for sub-section (6), the following sub-section shall be substituted, namely: —

“(6) If a registered dealer fails to comply with the provisions of sub-section (2) of Section 22 of this Act, he shall be liable to pay, by way of penalty, a sum equal to two hundred rupees for every day of default subject to a maximum of twenty five thousand rupees.”;

- (iii) in sub-section (9), for the words “five hundred”, the words “two hundred” shall be substituted;

- (iv) in sub-section (16), for clause (b), the following clauses shall be substituted, namely: —

“(b) having issued a tax invoice or retail invoice, has failed to account it correctly in his books of account; or

(c) failed to issue a tax invoice or retail invoice as required under the provisions of section 50 of this Act;” and

- (v) in sub-section (20), the explanation shall be omitted.

9. Amendment of section 89.—In the principal Act, in section 89, in sub-section (4), clause (c) shall be omitted.

10. Amendment of the Fourth Schedule.—In the principal Act, for the Fourth Schedule appended thereto, the following shall be substituted, namely:—

"The Fourth Schedule

(see section 4)

S.No.	Commodity	Rate of Tax
1.	Petroleum Products other than liquid petroleum gas, piped natural gas, Compressed Natural Gas and Kerosene such as (i) Naptha; (ii) Aviation Turbine Fuel; (iii) Spirit; (iv) Gasoline; (v) Furnace oil; (vi) Wax (except petroleum wax used for manufacture of candles); (vii) Mixture and combination of above products.	Twenty paise in the rupee
2.	Liquor (Foreign and Indian Made Foreign Liquor).	Twenty paise in the rupee
3.	Country Liquor.	Twenty paise in the rupee
4.	Narcotics (Bhaang).	Twenty paise in the rupee
5.	Molasses.	Twenty paise in the rupee
6.	Rectified Spirit.	Twenty paise in the rupee
7.	Lottery Tickets.	Twenty paise in the rupee
8.	Brake Fluid.	Twenty paise in the rupee
9.	Tobacco and Gutkha, unmanufactured tobacco, bidis and tobacco used in manufacture of bidis and hooka tobacco	Twenty paise in the rupee
10.	Aerated Drinks.	Twenty paise in the rupee
11.	Watches costing above rupees five thousand.	Twenty paise in the rupee"

VIKRANT VAID, Addl. Secy. (Law, Justice & L.A.)

3092 DG/15-2